भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3240
21/08/2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

नाविक-आधारित पूर्व चेतावनी प्रणालियों का विस्तार

3240 श्रीमती रेखा शर्मा:

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या मंत्रालय ने चक्रवात, सुनामी और भूस्खलन जैसी आपदाओं के लिए नेविगेशन विद इंडियन कांस्टेलेशन (नाविक)- आधारित पूर्व चेतावनी सेवाओं को चालू करने के लिए कदम उठाए हैं;
(ख) वर्तमान में कौन-कौन से क्षेत्र या राज्य इस सेवा से एकीकृत हैं और अखिल भारतीय कवरेज की क्या योजना है; और
(ग) स्थानीय अभिशासन और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणालियों में नाविक-आधारित चेतावनी (अलर्ट) को किस प्रकार एकीकृत किया जा रहा हैं?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) जी हाँ। भूकंप, बाढ़, चक्रवात, भूस्खलन आदि जैसी प्रमुख प्राकृतिक आपदाओं के लिए नेविगेशन विद इंडियन कांस्टेलेशन (NavIC) आधारित पूर्व चेतावनी सेवाओं को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की "कॉमन अलर्टिंग प्रोटोकॉल बेस्ड इंटीग्रेटेड अलर्ट सिस्टम (सचेत)" परियोजना के तहत संचालित किया गया है।

(ख) नाविक का कवरेज क्षेत्र भारतीय क्षेत्र और आसपास की 1500 किलोमीटर भारतीय सीमाओं को कवर करने के लिए डिजाइन किया गया है। तमिलनाडु में एक सफल पायलट प्रोजेक्ट के कार्यान्वयन के बाद, सरकार द्वारा कॉमन अलर्ट प्रोटोकॉल (CAP) परियोजना के पहले चरण के अखिल भारतीय कार्यान्वयन को मंजूरी दे दी गई है।

(ग) राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) सभी चेतावनियों के प्रसार के लिए नाविक प्रणाली का उपयोग करता है। नाविक सिग्नल संरचना में नेविगेशन संदेशों के अलावा पाठ संदेश भेजने का भी प्रावधान है। इन संक्षिप्त संचार संदेशों का उपयोग बाढ़, भूकंप, सुनामी, चक्रवात, भूस्खलन आदि जैसी प्राकृतिक आपदाओं की चेतावनी, पूर्वानुमान और निर्देशों से संबंधित संदेशों के लिए किया जा रहा है। इस चक्र के घटक हैं अलर्ट जनरेटिंग एजेंसियाँ (IMD, CWC, FSI, DGRE, INCOIS आदि), चेतावनी/अलर्ट प्रसारित करने वाली एजेंसियाँ (सेलुलर नेटवर्क, रेडियो, टेलीविजन, इंटरनेट, सैटेलाइट आदि) और इस चेतावनी के प्राप्तकर्ता (आम जनता और प्रतिक्रियाकर्ता)। इस श्रृंखला के कुशल कार्यप्रवाह की निगरानी राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों द्वारा की जाती है।

*****